लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

सां

कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय ने ९:११:२०२३ को पूरे विश्वविद्यालय परिवार के साथ दीपावली पर्व मनाय

कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय ने ९:११:२०२३ को पूरे विश्वविद्यालय परिवार के साथ दीपावली पर्व मनाया

दीपावली संध्या के शुभ अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय, सांस्कृतिकी द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति माननीय प्रो आलोक कुमार राय, जी ने हजारों दीपमालिका श्रृंखला में डीप प्रज्वलन कर दीपावली का पर्व अपने विश्वविद्यालय परिवार के साथ मनाया । कुलसचिव श्री विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, छात्र अधिष्ठाता प्रो संगीता साहू , अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो विनोद कुमार सिंह के साथ सभी विभागों के डीन, विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। विशेष बात यह थी की इसमें सभी शिक्षकों द्वारा रंगारंग कार्याक्रम प्रस्तुत किया गया । इस कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना हुई जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डा हंसिका सिंगल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एस बी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों "जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है" के साथ एक प्रेमगीत प्रस्तुत किया। जंतुविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता रानी ने हाइकू गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने "आओ पधारो पिया" गीत गाया। कार्यक्रम के अंत में संस्कृति की निर्देशिका प्रो मधुरिमा लाल ने माननीय कुलपति और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सां

सां

सां

Prof. Madhurima Lall
MA, MBA, Ph.D. (Bus.Adm.), D.Litt. (App.Eco.), D.Litt. (Bus.Adm.)
Deptt. of Applied Economics
Director
Sanskritiki
(Cultural Activity Board)

लखनऊ विश्वविद्यालय
नैक द्वारा A++ ग्रेड प्रत्यायित
लखनऊ-226007 (उ.प्र.) भारत

University of Lucknow
(Accrediated A++ by NAAC
Lucknow-226007 (U.P.) INDIA

कार्यक्रम सूचना

शुभ दीपावली के उपलक्ष्य में दिनांक 09.11.2023 को अपरान्ह 04:00 बजे कौटिल्य सभागार (अर्थशास्त्र विभाग) में मा० कुलपति जी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

अतः विश्वविद्यालय के पृष्ठांकित पदाधिकारियों/अधिकारियों से अनुरोध है कि कृपया कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का कष्ट करें।

(प्रो० मधुरिमा लाल)
निदेशक,
सांस्कृतिकी

संख्याः Sans./LU/2023/136 दिनांकः 8.11.2023

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव कुलपति को मा० कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष/निदेशक/प्रभारी/समन्वयक, ल०वि०, लखनऊ।
3. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं छात्र कल्याण के समस्त सदस्य।
4. अधिष्ठाता, अकादमिक/शोध/सी०डी०सी०/चीफ प्रोवोस्ट/समस्त प्रोवोस्ट, ल०वि०, लखनऊ।
5. कुलसचिव/वित्त अधिकारी/परीक्षा नियंत्रक, ल०वि०, लखनऊ।
6. कार्य अधीक्षक, निर्माण विभाग एवं कार्य अधीक्षक, गार्डेन एवं ग्राउंड, ल०वि०, लखनऊ।
7. कुलानुशासक एवं कुलानुशासक समिति के समस्त सदस्यगण।
8. निदेशक, द्वितीय परिसर, ल०वि०, लखनऊ।
9. डीन प्रवेश एवं प्रवेश सेल के समस्त सदस्यगण।
10. समस्त अधीक्षक, परीक्षा, कंडक्ट एवं मूल्यांकन।
11. निदेशक, एच०आर०डी०सी० एवं अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष, ल०वि०, लखनऊ।
12. लेखाधिकारी, ल०वि०, लखनऊ।
13. उपकुलसचिव, ल०वि०, लखनऊ।
14. समस्त सहायक कुलसचिव, ल०वि०, लखनऊ।
15. प्रभारी, वेबसाइट को इस आशय से कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं समस्त को ई-मेल के माध्यम से सूचित करने का कष्ट करें।

निदेशक,
सांस्कृतिकी

Mob: +91-9454323847 E-mail : madhu123lall@gmail.com

News Portal

दीपावली की संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दीपावली संध्या के शुभ अवसर पर गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डा विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो संगीता साहू, कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो विनोद कुमार सिंह के साथ सभी संकायों के डीन, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना हुई। जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डा हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एम बी खाप ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जन्म हमें कई कई बार के साथ एक प्रेम गीत प्रस्तुत किया।

जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता राही ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी। ए हवा तेरी सांस फूल जायेगी। ली बस आलोक से लगाए रहो, यही सही रास्ता दिखाएगी प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल ने कुलपति और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षकों ने नृत्य और शायरी से दिखाया हुनर

• लविवि के सांस्कृतिकी और से रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिकी के तत्वावधान में अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को हुआ। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो संगीता साहू, कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सिंह के साथ सभी संकायों के डीन, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना हुई जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एसबी खाप ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जन्म हमें कई कई बार के साथ एक प्रेमगीत प्रस्तुत किया। जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता राही ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी?...ए हवा तेरी सांस फूल जायेगी। ली बस आलोक से लगाए रहो, यही सही रास्ता दिखाएगी प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। अंत में सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल ने कुलपति और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

'लेना होगा जनम हमें कई-कई बार'

लविवि में रंगारंग कार्यक्रम

लखनऊ (एसएनबी)। दीपावली के शुभ अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू , कलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी के साथ सभी संकायों के डीन, सभी विभागाध्यक्ष और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना हुई, जिसे मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डा हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एस बी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों 'जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है' और 'लेना होगा जनम हमें कई कई बार' के साथ एक प्रेमगीत प्रस्तुत किया। जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता रानी ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी 'मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी? ए हवा तेरी सांस फूल जायेगी। लौ बस आलोक से लगाए रहो, यही लौ रास्ता दिखाएगी' प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने 'आओ पधारो पिया' गीत गाया।

कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

PIONEER PAGE 3

ीपावली की संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

ायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ावली संध्या के शुभ अवसर पर ार को लखनऊ विश्वविद्यालय के ्कृतिकी द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के टिल्य सभागार में एक सांस्कृतिक र्यक्रम का आयोजन किया गया। में कुलपति प्रो आलोक कुमार , कुलसचिव डा विनोद कुमार ह, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो विंद अवस्थी, अधिष्ठाता छात्र ल्याण प्रो संगीता साहू, ानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी, र्शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो विनोद ार सिंह के साथ सभी संकायों के , सभी विभागाध्यक्ष और अन्य क्षक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम शुरुआत गणेश वंदना हुई। जिसे ोविज्ञान विभाग की शिक्षिकाओं डा ंसका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने प्रस्तुत किया। हिंदी विभाग के प्रो एस बी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जनम हमें कई कई बार के साथ एक प्रेम गीत प्रस्तुत किया।

जंतु विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो संगीता रानी ने एक गीत और उर्दू विभाग के डा अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी। ए हवा तेरी सांस फूल जायेगी। लौ बस आलोक से लगाए रहो, यही लौ रास्ता दिखाएगी प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रो गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कुलपति ने पठन-पाठन और परीक्षाओं की चर्चा करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतकी की निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल ने कुलपति और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के विभिन्न तरीकों को समझार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में चल रही द्विदिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (आईसीसीआईसीएस-2023) के तीसरे व अंतिम दिन गुरु को भी दो टैक्निकल सेशन का आयोजन किया गया। प्रथम टैक्निकल सत्र के पहले मु वक्ता प्रोफेसर आलोक चतुर्वेदी (पर्ड्यू यूनिवर्सिटी यूएसए) ने इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित मूलभूत विधियों पर प्रकाश डालते हुए तत्कालीन रोजमर्रा जरूरत में उसके उपयोग के बारे में बताया। सत्र के दूसरे मुख्य वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद हस (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी) ने मानव मस्तिष्क संरचना व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रक्चर के मा समानता व कार्य विधि, सूचना प्रबंधन व उसके संचार तंत्र को विभिन्न माध्यमों व उदाहरणों द्वा समझाया। परसेप्ट्रॉन, हिडन लेयर्स व फीड फॉरवर्ड तंत्र के बिंदुओं पर अत्यंत सूक्ष्मता के स सुपरवाइज्ड व अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग माध्यमों पर रोचक व्याख्यान दिया। सत्र अंतिम वक्ता व अध्यक्ष के रूप में उपस्थित डॉ उदेद कुमार (आईटी लखनऊ) आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के दैनिक जीवन में उपयोग तथा इस प्रयोगात्मक रूप से कार्यान्वित करने के विभिन्न तरीकों से छात्रों को अवगत कराया। प्रथम के समापन में सभी मुख्य अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह द्वारा इंजी. रोहित श्रीवास्तव इंजी. प्रेम शंकर यादव द्वारा किया गया। दूसरे टैक्निकल सत्र के प्रथम मुख्य वक्ता के रूप अनिल कुमार तिवारी (आईआईटी जोधपुर) ने मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग का अनुप्रयोग इमेज प्रोसेसिंग तथा पैटर्न रिकॉग्निशन जैसे डीएनए पैटर्न रिकॉग्निशन, क्राउड मैनेजमेंट आईओटी व क्लाउड कंप्यूटिंग के परिप्रेक्ष में बहुत ही सुंदर उदाहरण से वर्णित किया।

ऐ हवा तेरी सांस फूल जाएगी यही लौ रास्ता दिखाएगी..

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

गणेश वंदना की प्रस्तुति देती डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

पेटेंट फाइलिंग के कानूनी पहलुओं पर चर्चा

व्याख्यान

- **लखनऊ विवि में कार्यशाला का किया गया आयोजन**
- **अनुसंधान संकाय सदस्यों के साथ शोधकर्ता भी रहे शामिल**

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम के दौरान मौजूद संकाय सदस्य और शोधार्थी छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार : पेटेंग फाइलिंग की तकनीकों को जानने के लिए एक व्याख्यान का आयोजन हुआ। लखनऊ विवि परिसर में आयोजित कार्यशाला में संकाय सदस्यों के साथ शोधकर्ता भी शामिल हुए। कानूनों पहलुओं पर चर्चा करते हुए विषय वस्तुओं को साझा भी किया गया।

शिक्षाविदों में बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता को लेकर विवि में व्याख्यान का आयोजन हुआ। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने श्रंखला के उद्देश्य की जानकारी दी। विभाग के संकाय सदस्यों के साथ विवि के अन्य विभागों के बीच समझ को विकसित करने में विभाग की भूमिका से अवगत कराया। पहला व्याख्यान रसायन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश ने पेटेंट फाइलिंग के तकनीकी व कानूनी पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने पेटेंट की जटिलताओं का भी उल्लेख किया। इसकी खोज, मान्यता और महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संकाय सदस्य और शोधार्थी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

ऐ हवा तेरी सांस फूल जाएगी यही लौ रास्ता दिखाएगी..

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विवि के सांस्कृतिकी द्वारा अर्थशास्त्र विभाग के कौटिल्य सभागार में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति रहे।

विवि में आयोजित कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। हिंदी विभाग के प्रोफेसर एसबी थापा ने मुक्तिबोध की पंक्तियों जिंदगी में जो कुछ है, जो भी कुछ है, स्वीकारा है और लेना होगा जनम हमें कई कई बार, प्रस्तुत किया। जंतुविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर संगीता रानी ने गीत गाया।

उर्दू विभाग के डॉ. अब्बास रजा नय्यर ने शायरी मैं दिया हूं, मुझे बुझाएगी, ए हवा तेरी सांस फूल जाएगी, यही लौ रास्ता दिखाएगी, प्रस्तुत किया। वनस्पति विज्ञान की प्रोफेसर गौरी सक्सेना और उनकी टीम ने आओ पधारो पिया गीत गाया। कार्यक्रम के अंत में प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान कुलपति एके राय सहित अन्य मौजूद रहे।

गणेश वंदना की प्रस्तुति देती डॉ. हंसिका सिंघल और स्वप्निल सिन्हा।

तकनीकी कार्यशाला लखनऊ विवि में तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

साइबर सिक्योरिटी आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में तीन दिनों से चली आ रही इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन मुख्य वक्ता ने साइबर सिक्योरिटी को महत्वपूर्ण बताया। तकनीकी कार्यशाला के दौरान मूलभूत विषयों को भी विस्तार दिया गया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विवि के प्रोफेसर आलोक चतुर्वेदी ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित मूलभूत विधियों पर प्रकाश डालते हुए इसे दैनिक दिनचर्या से जोड़ते हुए बताया। कहा कि साइबर सिक्योरिटी वर्तमान में महत्वपूर्ण अंग बन गया है। इंटीग्रल विवि के प्रोफेसर मोहम्मद हारून ने मानव मस्तिष्क संरचना व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रक्चर के मध्य, समानता व कार्य विधि, सूचना प्रबंधन व उसके संचार तंत्र को समझाया।

आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर अनिल कुमार तिवारी ने मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग का अनुप्रयोग एवं इमेज प्रोसेसिंग की जानकारी दी। कान्फ्रेंस में विभिन्न शोधकर्ताओं ने अपनी रिसर्च पेपर को विषय विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विवि के छात्र-... मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ देकर किया गया स्वागत। अमृत विचार

119 शोधपत्रों में से 48 का चयन

समन्वयक इंजीनियर जीशान अली सिद्दीकी ने बताया कि कांफ्रेंस में कुल 119 शोध पत्र प्राप्त हुए थे। जिसमें टेलर एंड फ्रांसिस के मापदंड के अनुसार कुल 40 फीसद लगभग 48 शोध पत्रों का ही चयन किया गया। डॉ. सिद्धार्थ सिंह ने सभी शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित किया।

Over 200 teachers and coordinators were present

The Report has been drafted by Anjali Yadav,

Research Scholar,

Under supervision of Prof. Madhurima Lall,

Faculty of commerce.

Department of Applied Economics.